ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218
PP. No.- 145-146
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- III, Issues-29, YEAR- July-Sept.-2023

सैदपुर मंदिरों तथा घाटों का नगर है– एक सामाजिक तथा सांस्कृतिक अध्ययन

डॉ0 विजय श्रीवास्तव
असि0 प्रोफेसर– समाजशास्त्र, मूलचन्द पी०जी० कालेज, होलीपुर–गाजीपुर (उ0प्र0), भारत

Received-27.08.2023, Revised-03.09.2023, Accepted-08.09.2023 E-mail: aaryvart2013@gmail.com

सारांश: *सैदपुर नगर वाराणसी गाजीपुर मेन रोड के मध्य 40 कि0मी0 दूरी पर जहां 35 डिग्री उत्तरी अंक्षांश तथा 80 डिग्री पूर्वी दिशान्तर की रेखा काटती है, पर स्थित है। नगर को काशी की बहन तथा लहुरी काशी भी कहते है। यहाँ पर जनहीत की सभी सुविधायें उपलब्ध है शहरी करण तथा आवासीय की वृद्धि है। नगर में 12 प्रमुख मंदिर है। जिससे बूढ़ेनाथ महादेव का प्राचीन सिद्ध पीठ है तथा वराहरूप में विष्णु का मंदिर है शहर में शिव, गणेश, लक्ष्मी, दुर्गा जी का मंदिर बहुतायत में है। तथा लगभग 12 घाट भी है जिसमें पक्का घाट, बुढ़े महादेव घाट प्रमुख है। नगर में पर्यटन की सुविधायें विधमान है। सैदपुर भविष्य में मुख्यालय बनने का गौरव प्राप्त कर सकता है।*

कुंजीभूत शब्द– तहसील, विकास खण्ड, अस्पताल, पंचायत घर, पावर हाउस, राजकीय डिग्री कालेज, मेडिकल स्टोर्स, व्यापारिकक्षेत्र।

अध्ययन क्षेत्र– सैदपुर नगर जनपद गाजीपुर उ0प्र0 की एक तहसील है, जो वाराणसी–गाजीपुर मेन रोड पर मध्य बिन्दु 40 कि0मी0 दूरी पर गंगी नदी के बाये तरफ स्थित है। नगर का क्षेत्रफल लगभग 30 वर्ग कि०मी० यॉनि 8 कि०मी० लम्बाई पश्चिम से पूरब तथा 4 कि०मी० चौड़ाई उत्तर से दक्षिण दिशा में 50,000 जनसंख्या के साथ अवस्थित है। नगर में 15 वार्ड, तहसील, विकास खण्ड, अस्पताल, पंचायत घर, पावर हाउस, राजकीय डिग्री कालेज, कई इण्टर कालेज, मेडिकल स्टोर्स, व्यापारिक क्षेत्र, आवासीय क्षेत्र, मंडी तथा दुकाने है, महिला अस्पताल नगर पालिका, कार्यालय, रजिस्ट्री कार्यालय तथा अनेक सेवा के केन्द्र है। पूर्व में यह टाउन एरिया था अब आदर्श नगर पंचायत बन चुका है। बढ़ते व्यापार, जनसंख्या, सेवायें, नगरीय कार्य, आवास, कालोनी तथा अन्य जन सेवा केन्द्रों के कारण उसे जिला बनने का अवसर प्राप्त कर सकता है। छोटी इकाई में विकास तथा सेवा संचालन का कार्य सुविधा से कम कठिनाई एवं कम खर्च में होता है। बशर्ते राजनैतिक प्रभाव एवं जनता की सहभागिता हो । स्थानीय राजनीति एवं जनता तथा प्रशासन का प्रतिभाग भी मुख्यालय बनाने में सहायक हों। इसे सिद्धपुरी तथा लहुरी काशी भी कहते है।

मंदिरों की स्थिति– सैदपुर नगर में प्राचीन काल से ही कुछ मंदिर निर्मित है, विवरण निम्नवत है।

1. बूढ़ेनाथ महादेव मंदिर : यह नगर का प्राचीनतम मंदिर है जो गंगा नदी के किनारे बायें तरफ स्थित है इसलिए इसे काशी की बहन तथा लहुरी काशी भी कहते है। यह एक सिद्धपीठ है। पौराणिक किमवदन्ती के अनुसार इस मंदिर की स्थापना भगवान श्री रामचन्द्र ने किया था। तभी से मान्यता मनोकामनाओं की वलवती रही है। वर्तमान में इसका संचालन एक कमेटी के द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष श्री विजय बाबू जैसवाल है। यहाँ पर महामृत्युंजय जाप, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक का कार्य पंडितों द्वारा किया जाता है। यहां प्रतिदिन पूजा पाठ होता है और दूर दराज के लोग भी दर्शन हेतु आते है।

2. हनुमान मंदिर : यह मंदिर चौक से पश्चिम तरफ आराजीगंज में सड़क के किनारे पर स्थित हैं। जहा मंगलवार तथा शनिवार को बड़ी भीड़ होती है। मान्यता तथा आस्था का स्थल है। मंदिर का संचालन पुजारी द्वारा होता है।

3. हरिहर नाथ मंदिर : यह नगर चौक से पूरब दिशा में पुराना मंदिर है तथा यहा वैश्य आश्रम भी है। मंदिर के सामने क्रीणा स्थल तथा यहा मेला का आयोजन होता है। मंदिर का निर्माण वैश्य परिवार के भोला साहु द्वारा किया गया बताते है जो मनोती पूर्ण होने पर बनाया गया था। यहां से थोडी दूर गंगा किनारा है।

4. पक्का घाट पर डीह मंदिर, शीतला तथा हनुमान मंदिर है : यह गंगा किनारे पर चौक से दक्षिण दिशा में स्थित है जिन्हें नगर का कोतवाल कहते है। नगर में आने तथा स्थापित होने पर डीह मंदिर का दर्शन अनिवार्य माना जाता है। दाई तरफ शीतला तथा हनुमान मंदिर है, यहां पूजा पाठ होता है जो पुजारी के देखभाल में रहता है।

5. काली मंदिर : नगर के पूरब तरफ उत्तर से दक्षिण जाने वाली सड़क स्थित है यह बड़ा जागता का स्थल माना जाता है। इसी के साथ हनुमान तथा मरी का भी मंदिर है। यहाँ का पुजारी ब्राहमण परिवार का होता है पूजा पाठ के अलावा शादी सम्बन्धी भी कार्यक्रम होता है।

6. संगत गली में शिवमंदिर तथा अन्य देवताओं का मंदिर : नगर से दक्षिण दिशा में गंगा किनारे संगत गली मोहल्ला में शिवमंदिर है तथा गणेश, लक्ष्मी, हनुमान तथा अन्य देवी देवताओं की भी मूर्तियां है जहा रोज पूजा पाठ होता है।

7. दुर्गा मंदिर– इस नये मंदिर का निर्माण इसी 10 वर्ष पूर्व में सन्यासी विदेशी बाबा द्वारा किया गया है। यहां भूत प्रेत तथा योनियो का उपचार होता है। विदेशी बाबा स्वयं पुजारी है। महिलाओं की भीड़ अधिक होती है मंदिर गंगा किनारे पर है।

8. रंगमहल पर शिवमंदिर तथा विश्वकर्मा का मंदिर : रंगमहल घाट ख्यात प्राप्त स्थल है जहा शिव, गणेश, लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस स्थान के निर्माण में स्व० आत्माराम पाण्डेय कांग्रेसी नेता का विशोष योगदान है। यह गंगा पर स्नान घाट भी है तथा टाउन नेशनल इण्टर कालेज भी है। अभी हाल में विश्वकर्मा का मंदिर भी इसी स्थल पर बनवाया गया है। स्थान रोचक तथा मनोहारी है।

9. शीतला का मंदिर : सैदपुर सादात रोड पर शीतला का मशहूर मंदिर है। आस्था तथा विश्वास से यहां पूजा पाठ का कार्य होता है। पुजारी द्वारा का संचालन होता है। महिलायें अधिक यहां आती है।

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- III, Issues-29, YEAR- July-Sept.-2023

10. नई सड़क वाराणसी रोड पर शिवमंदिर : यहाँ पर शिवमंदिर है, गणेश, लक्ष्मी, दुर्गा की भी पूजा की जाती है। यह नई सड़क त्रिमुहानी से 50 गज पश्चिम में है।

11. बंगला बाबा का मंदिर : यह मंदिर तरवनिया रोड पर स्थित है यहाँ लोग पूजा हेतु आते है। यह भी नवीन मंदिर लगभग 20 वर्षों का ही है।

12. नगर के पाश्वर्ती क्षेत्रों में मंदिरों की भरमार है : यह कहना अतिशयोक्ति नही होगा की पाश्वर्ती घरो में मंदिरो, प्रत्येक गलियों,

नुकड़ो तथा आवासीय क्षेत्र उत्तर, पश्चिम तथा पूरब दिशाओं में है, जौहरगंज, औड़िहार में वराहरूप, शिव, हनुमान जी का मंदिर ख्यात प्राप्त है। सैदपुर के उत्तर सड़क पर डहन के पास शिवमंदिर, नरायनपुर ककरही में शिवमंदिर, हिरानन्दपुर में हुकहवा बाबा मंदिर आदि है। नगर से पूरब दिशा में टोडरपुर में तथा फुलवारी में नागा मंदिर, नागाधाम, शिवमंदिर गंगा नदी के किनारे पर स्थित है। विभूषितः यह मंदिरो का नगर है।

घाटों का परिदृश्य– सैदपुर नगर में घाटों का परिदृश्य काशी जैसा होने से ही इसे लहुरी काशी तथा काशी की बहन माना जाता है। घाटों का विवरण पूरब से पश्चिम दिशा में निम्नवत हैः

1. फुलवारी घाट तथ नागाधाम : गंगा नदी के बाये किनारे पर फुलवारी घाट तथा नागाधाम स्थित है। यहां से नाव द्वारा चंदौली, धानापुर, बुढ़ेपुर, हिंगुतर स्थान पर जाना सम्भव है।

2. गाय घाट : यह गंगा नदी के किनारे पर नगर से 2 कि०मी० पूरब में स्थित है। उत्तर तथा पूरब के क्षेत्रों का शव यहां दफनाया जाता है।

3. कोट घाट : यह घाट जहां पर दाह संस्कार किया जाता है, जहां शरीर पंच तत्वों में विलीन हो जाता है।

4. बुढ़ेनाथ महादेव घाट : मंदिर से लगा घाट है जहां स्नान की व्यवस्था है। नगर का एक प्रमुख घाट है, जो प्राचीनता लिए हुए है। मंदिर में शिव पूजा, रुद्राभिषेक आदि किया जाता है। अब शादी का प्रारम्भिक कार्य भी यहां होता है।

5. पक्का घाट : नगर चौक से दक्षिण दिशा में नदी के किनारे पक्का घाट स्थित है। यहां वर्ष भर लोग स्नान करते है और डीह, शीतला, हनुमान मंदिरों का दर्शन करते है। नाव के द्वारा लोग नदी के पार चंदौली जिले के गावों से भी आवागमन होता था, अब पक्का पुल बन जाने से नाव का प्रचलन कम हो गया है।

6. संगत घाट : नगर के मध्य से पश्चिम मुहल्ला संगत गली में संगत घाट है। यहां स्नान कर लोग शिव, गणेश, लक्ष्मी का दर्शन भी करते है, नगर का प्रमुख घाट है।

7. राम घाट : नगर के दक्षिण पश्चिम में राम घाट है जहां स्नान तथा देव दर्शन का लाभ जनता प्राप्त करती है। यहां दुर्गा जी का मंदिर भी बना हुआ है।

8. देवकली नहर घाट : नगर के पास घाट बना हैं एक दर्शनीय स्थल है।

9. जोहरगंज घाट : यह नगर के पश्चिम में नदी के किनारे घाट है और जौहरगंज एक छोटी बाजार भी है, जो नगर का सब टाउन है।

10. पटना घाट : यह घाट नगर के पश्चिमी क्षेत्र में गंगा गोमती संगम पर स्थित है। सैदपुर से बनारस जाने का यह पुराना रास्ता है।

11. वराहरूप घाट, औड़िहार : औड़िहार के पास गंगा नदी के किनारे वराहरूप घाट तथा विष्णु भगवान का मंदिर है। यहां शव जलाये जाते है। शव गावों से दूर स्थानों से आतें है।

12. रंग महल घाट : नगर से पश्चिम तरफ गंगा किनारे स्थित हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. यादव, अवतार रामः जनपद गाजीपुर का अध्ययन।
2. श्रीवास्तव, विजय 2008: Socio&Eco Analysis Of Saidpur inside Chandauli Vol No- 2 No&3 PP 359&363-
3. Ibid 2017: सामाजिक पारिस्थिति का अध्ययनय तहसील सैदपुर पी–एच०डी० पू० वि० वि० जौनपुर।
4. Lal GS & Srivastava V 2023: Fairs, Festivals, Rituals and Visiting places in saidpur Block, District Ghazipur, UP GSSP Sukhpura Ballia, Accepted for publication

*****